टाटा कैप के आईपीओ को मंजूरी जल्द

टाटा संस की सहायक कंपनी के 2 अरब डॉलर के आईपीओ को सेबी से अब मिल सकती है मंजूरी

खुशबू तिवारी
मुंबई, 5 जून

टाटा संस की सहायक कंपनी टाटा कैपिटल को अपने करीब 2 अरब डॉलर के आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी से जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंजूरी को अंतिम रूप दे दिया है और अगले कुछ हफ्तों में ऑब्जर्वेशन लेटर मिलने की उम्मीद है।

इससे टाटा कैपिटल के लिए सितंबर 2025 की समय सीमा से पहले सूचीबद्धता का रास्ता खुल जाएगा। 'अपर लेयर' नॉन-बैंकिंग फाइनैंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह समय-सीमा तय कर रखी है।टाटा कैपिटल ने अप्रैल में कॉन्फीडेंशियल रूट के जरिये आईपीओ दस्तावेज जमा कराए थे, जिससे सेबी की मंजूरी मिलने तक यह जानकारी गोपनीय रखी जा सके।

अब तक सिर्फ दो कंपनियों ने ही सूचीबद्धता से पहले कॉन्फीडेंशियल फाइलिंग रूट के जरिये आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए थे। इनमें फूड डिलिवरी दिग्गज स्विगी और रिटेलर कंपनी विशाल मेगा मार्ट शामिल हैं। यदि इसे तेजी से मंजूरी मिल जाती है तो यह किसी मेगा आईपीओ के लिए सबसे जल्द हरी झंडी में से एक हो सकती है। मंजूरी के बाद एनबीएफसी को एक अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (यूडीआरएचपी) जमा कराना होगा। आईपीओ से पहले यूडीआरएचपी को कम से कम तीन सप्ताह तक सार्वजनिक डोमेन में रखना होगा। कंपनी के आईपीओ में फ्रेश इश्यू और टाटा संस समेत मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होने की संभावना है।

अनलिस्टेड जोन के अनुसार अनलिस्टेड बाजार में टाटा कैपिटल का शेयर 1,075 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। आईपीओ की समय-सीमा और अन्य जानकारी के बारे में टाटा कैपिटल और सेबी को भेजे गए ईमेल का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। सेबी की वेबसाइट से पता चलता है कि कंपनी या उसकेनिवेश बैंकरों के साथ अंतिम संवाद 24 मई को हुआ था। टाटा टेक्नोलॉजीज (2023) और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (2004) के बाद टाटा समूह का लगभग दो दशक में यह दूसरा आईपीओ होगा।

फरवरी में टाटा कैपिटल के बोर्ड ने आईपीओ और राइट्स इश्यू की योजनाओं को मंजूरी दी।

कई अन्य एनबीएफसी को भी आईपीओ के लिए सेबी से मंजूरी मिली है। इससे आने वाले समय में आईपीओ बाजार में व्यस्तता बढ़ने का संकेत दिख रहा है। इनमें एचडीबी फाइनैंशियल का 12,500 करोड़ रुपये और हीरो फिनकॉर्प का 3,700 करोड़ रुपये का आईपीओ शामिल है।

वित्त वर्ष 2025 में टाटा कैपिटल का वित्तीय साधनों पर नुकसान बढ़कर 3,072 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो वित्त वर्ष 2024 में 748 करोड़ रुपये था। ब्याज आय 67 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 19,203 करोड़ रुपये और राजस्व 64.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 21,866 करोड़ रुपये रहा। इसके बावजूद स्टैंडअलोन लाभ केवल 4 प्रतिशत बढ़कर 2,594 करोड़ रुपये पहुंच सका।

परिसंपत्ति गुणवत्ता भी कमजोर हुई और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात 1.71 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 2.33 फीसदी पर पहुंच गया। शुद्ध एनपीए अनुपात 0.38 फीसदी से बढ़कर 0.98 फीसदी हो गया।

आईपीओ की तैयारी तेज

- टाटा कैपिटल को अगले कुछ हफ्तों में ऑब्जर्वेशन लेटर मिलने की उम्मीद है
- टाटा कैपिटल ने अप्रैल में कॉन्फीडेंशियल रूट के जरिये जमा कराए थे आईपीओ दस्तावेज
- आईपीओ में नया निर्गम और टाटा संस समेत मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश शामिल होने की संभावना
- अनलिस्टेड बाजार में टाटा कैपिटल का शेयर 1,075 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा

मई में भारतीय कॉरपोरेट बॉन्डों में विदेशी निवेश बढ़ा

सुब्रत पांडा और अंजलि कुमारी
मुंबई, 5 जून

भारतीय कॉरपोरेट बॉन्डों में विदेशी निवेश मई में 20,996 करोड़ रुपये के साथ 10 साल की ऊंचाई पर पहुंच गया। शापूरजी पलोंजी (एसपी) ग्रुप द्वारा 3.35 अरब डॉलर की रकम जुटाए जाने से यह निवेश नए ऊंचे स्तर पर पहुंचा। समूह को डॉयचे बैंक, ब्लैकरॉक, मॉर्गन स्टेनली, डेविडसन केम्पनर, सेबेंरस कैपिटल जैसे वैश्विक निवेशकों से निवेश मिला।

नैशनल सिक्योरिटीज डिपोजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार मई में भारतीय कंपनियों के बॉन्डों में शुद्ध विदेशी निवेश 20,966 करोड़ रुपये रहा जबकि अप्रैल में 8,879 करोड़ रुपये की बिकवाली हुई थी। जनवरी 2015 में भारतीय कॉरपोरेट बॉन्डों में विदेशी निवेश 21,660 करोड़ पर पहुंच गया था।

वित्त वर्ष 2025 में भारतीय कंपनियों की ओर से जारी बॉन्डों में विदेशी निवेश 12,382 करोड़ रुपये था जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह केवल 4,511 करोड़ रुपये रहा। भारतीय कंपनियों की ओर से जारी कॉरपोरेट बॉन्डों में कुल विदेशी निवेश 4 जून तक 1.28 लाख करोड़ रुपये था जो उपयोग की गई सीमा का सिर्फ 16.74 प्रतिशत है। एनएसडीएल के आंकड़ों से पता चलता है कि उपलब्ध सीमा 6.35 लाख करोड़ रुपये है।

यह तेजी भारतीय रिज़र्व बैंक के कॉरपोरेट ऋण प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के लिए 'शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट लिमिट' और 'कंसंट्रेशन लिमिट' खत्म करने के निर्णय के बीच देखी गई है। इन बदलावों का उद्देश्य अधिक निवेश स्वायत्तता प्रदान करना है।

एक बाजार कारोबारी ने कहा, 'कॉरपोरेट बॉन्ड अधिक रिटर्न दे रहे हैं और एफपीआई के लिए हालिया मानदंडों में बदलाव ने भी मांग को बढ़ावा दिया है। सरकारी प्रतिभूतियों में शुरुआती दिनों में संघर्ष के कारण यील्ड में इजाफा हुआ लेकिन बाद में, हमने लगभग 6.20 प्रतिशत को छू लिया। हम कॉरपोरेट बॉन्ड सेगमेंट में और अधिक निवेश की उम्मीद करते हैं।'

मौजूदा समय में, एए-रेटेड तीन साल के कॉरपोरेट बॉन्ड पर वार्षिक यील्ड 7.34 प्रतिशत है, जबकि एए-रेटेड पांच साल के बॉन्ड 7.45 प्रतिशत यील्ड देते हैं। तुलनात्मक रूप से, बीबीबी-रेटेड तीन साल के बॉन्ड पर वार्षिक यील्ड 10.20 प्रतिशत है, और बीबीबी-रेटेड पांच साल के कॉरपोरेट बॉन्ड 10.27 प्रतिशत की यील्ड देते हैं।

कैप्री ग्लोबल कैपिटल के कार्यकारी निदेश अजय मंगलूनिया ने कहा, 'कॉरपोरेट बॉन्ड पर यील्ड सरकारी प्रतिभूतियों से अधिक है। कॉरपोरेट बॉन्ड में सब कुछ मिला हुआ है, न कि केवल एएए रेटेड बॉन्ड। कम रेटिंग वाले बॉन्ड में निवेश करके निवेशक दो अंक में रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। भारत सरकार की प्रतिभूतियों पर यील्ड कम हो रही है, मुद्रास्फीति नीचे आ रही है और सरकार राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के प्रयास कर रही है।'

अनुपालन न करने पर एनएसडीएल को चेताया

बीएस संवाददाता
मुंबई, 5 जून

अनुपालन में कथित चूक पर बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नैशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी (एनएसडीएल) को दो चेतावनी पत्र जारी किए हैं। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी कर रही डिपॉजिटरी फर्म ने 3 जून को जारी चेतावनी पत्र का खुलासा किया है।

पहला पत्र आईपीओ आवंटन के दिन निवेशकों के डीमैट खाते में शेयर न दिखने और पर्याप्त परीक्षण किए बिना फाइल प्रारूपों के मानकीकरण के साथ आगे बढ़ने के बारे में है। दूसरे पत्र में सभी साइबर अलर्ट को ठीक से ट्रैक करने में विफल रहने, निर्धारित समयसीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित करने, अपनी सभी परिसंपत्तियों का सही और व्यापक विवरण बनाए रखने, जरूरी परिसंपत्तियों की व्यापक समीक्षा करने और अपनी सभी परिसंपत्तियों की सक्रिय निगरानी सुनिश्चित न करने के बारे में था।

बाजार नियामक ने डिपॉजिटरी को भविष्य में सावधान रहने, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को मजबूत करने और ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति से बचने के लिए अनुपालन मानकों में सुधार करने का निर्देश दिया है। यह भी कि सेबी के दिशा-निर्देशों का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, एनएसडीएल ने स्पष्ट किया है कि चेतावनी पत्रों का कोई वित्तीय और परिचालन पर असर नहीं होगा।

बजाज फिनसर्व के प्रवर्तक बेचेंगे 1.94 फीसदी हिस्सेदारी

जमनालाल संस और बजाज होल्डिंग्स ऐंड इन्वेस्टमेंट जैसी बजाज फिनसर्व की प्रवर्तक इकाइयां शुक्रवार को ब्लॉक डील के जरिये कंपनी में 1.94 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगी। टर्म शीट के अनुसार दोनों इकाइयां 1,880 रुपये प्रति शेयर के आधार मूल्य पर कुल मिलाकर 3.1 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रही हैं जो गुरुवार के 1,944 रुपये के बंद भाव से 3.3 फीसदी कम है। प्रवर्तक इकाइयां शेयर बेचकर 5,828 करोड़ रुपये जुटाएंगी।

कोटक सिक्योरिटीज इन शेयरों की बिक्री को संभालने वाला निवेश बैंक है। बजाज फिनसर्व में प्रवर्तक इकाइयों की 60.64 फीसदी हिस्सेदारी है। मार्च में बजाज फिनसर्व ने कहा कि वह दो बीमा संयुक्त उद्यमों- बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में एलियांज एसई की हिस्सेदारी 24,180 करोड़ रुपये में खरीदेगी। बजाज फिनसर्व करीब 1.01 फीसदी, बजाज होल्डिंग्स ऐंड इन्वेस्टमेंट लगभग 19.95 फीसदी तथा जमनालाल संस 5.04 फीसदी यानी कुल 26-26 फीसदी हिस्सा खरीदेंगी।

दर कटौती की आस से बाजार में उल्लास

बीएस संवाददाता
मुंबई, 5 जून

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को तेजी आई। कारण कि निवेशकों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दर कटौती करने की उम्मीद में खरीदारी की। सेंसेक्स 444 अंक (0.5 प्रतिशत) बढ़कर 81,442 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी 131 अंक (0.5 प्रतिशत) बढ़कर 24,751 पर आ गया। यह तेजी आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में मजबूत प्रदर्शन की वजह से आई।

जेपी मॉर्गन के कीमत लक्ष्य बढ़ाने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी आई। आय परिदृश्य में सुधार को ध्यान में रखते हुए जेपी मॉर्गन ने इस शेयर का कीमत लक्ष्य बढ़ाया है। आरबीआई के लगातार तीसरी बार दर कटौती की संभावना बढ़ने से आईसीआईसीआई बैंक में शुक्रवार को तेजी आई। माना जा रहा है कि रिजर्व बैंक के लिए कम मुद्रास्फीति के कारण आर्थिक वृद्धि को प्राथमिकता देने की गुंजाइश है। एचडीएफसी बैंक का शेयर 0.5 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

सेक्टर के लिहाज से ब्याज दरों के प्रति संवेदनशील शेयर फोकस में बने रहे। इनमें पीएसयू बैंक, एनबीएफसी और ऑटो मुख्य रूप से शामिल हैं। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की संभावना के के बीच फार्मा और हेल्थकेयर इंडेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। अमेरिकी अधिकारियों की नई दिल्ली में भी बातचीत हुई। अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में गिरावट अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी का संकेत है। इससे भी भारत जैसे उभरते बाजारों में धारणा को मजबूती मिली।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'वृहद संकेतों और सेक्टोरल तेजी के बल पर बाजारों के सकारात्मक रुझान के साथ मजबूत होने की संभावना है।'

बाजार धारणा मजबूत बनी रही। चढ़ने वाले शेयरों की संख्या 2,257 और गिरने वाले शेयरों की संख्या 1,725 रही। सेंसेक्स के करीब दो-तिहाई शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। इटर्नल में 4.5 फीसदी की शानदार तेजी आई और वह सूचकांक की तेजी में तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्र ने कहा, 'निफ्टी ने अपने 20-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज को फिर से हासिल कर लिया है। आगे बढ़ने के लिए उसके लिए इस स्तर से ऊपर बने रहना जरूरी है नहीं तो मुनाफावसूली फिर शुरू हो सकती है।' भविष्य में, वैश्विक संकेत बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगे जिनमें अमेरिकी व्यापार वार्ता और आर्थिक रुझान मुख्य रूप से शामिल हैं।

चांदी 1.04 लाख रु. प्रति किलो के पार

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को चांदी 2,000 रुपये उछलकर 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। मजबूत वैश्विक संकेतों के अनुरूप सोने की कीमतों में भी 430 रुपये की तेजी रही। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'घरेलू बाजार में चांदी की कीमत नए सर्वाधिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। इस तेजी को मजबूत औद्योगिक मांग, मुद्रास्फीति जोखिम से बचाव के रुख और सीमित वैश्विक आपूर्ति आदि से समर्थन मिला। इससे पहले, 19 मार्च को चांदी अपने पिछले सर्वाधिक ऊंचे स्तर 1,03,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंची थी।' सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 430 रुपये बढ़कर 99,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। *भाषा*

मिरै ऐसेट की एसआईएफ क्षेत्र में दस्तक

बीएस संवाददाता
मुंबई, 5 जून

मिरै ऐसेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स (एसआईएफ) क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी हासिल कर ली है।

फंड हाउस 'प्लेटिनम' ब्रांड नाम के तहत अपना एसआईएफ व्यवसाय चलाएगा। मिरै ऐसेट एएमसी के वाइस चेयरमैन एवं मुख्य कार्याधिकारी स्वरूप आनंद मोहंती ने कहा, 'प्लेटिनम के साथ, हम अपनी उत्पाद यात्रा में एक नए चरण का आधार तैयार कर रहे हैं। इससे हमें निवेशकों के बीच स्पष्टता और पारदर्शिता को प्राथमिकता बरकरार रखते हुए रणनीति-केंद्रित दृष्टिकोण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।' फंड हाउस एक इक्विटी योजना के साथ एसआईएफ क्षेत्र में प्रवेश करेगा।

पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका, पिंपरी-१८
यांत्रिकी विभाग
ई – निविदा सुचना क्रमांक – ०६/२०२५-२०२६

पिंपरी चिंचवड मनपाचे उद्यान विभागाचे वापराकरीता ९००० लि. क्षमतेचे ०८ नग वॉटर टँकर प्रति टँकर २ मजूर कर्मचाऱ्यांसह भाडे तत्त्वावर पुरवठा करणे बाबत ३ वर्ष कालावधीकरीता निविदा मागविणेत येत असून इच्छुक ठेकेदारांनी निविदा दर देताना GST वगळून दर द्यावेत. GST वेगळा दिला जाईल.

अ. क्र.	कामाचा तपशील	निविदा र. रु.	बयाणा र. रु. ०५. %	अनामत र. रु. ५%	कामाचा कालावधी	निविदा फॉर्म फी परत न मिळणारी
१)	पिंपरी चिंचवड मनपाचे उद्यान विभागाचे वापराकरीता ९००० लि. क्षमतेचे ०८ नग वॉटर टँकर वाहनचालक व दोन मजुर कर्मचाऱ्यांसह भाडेतत्त्वावर पुरवठा करणे	७,४२,००,०००/-	३,७१,०००/-	३७,१०,०००/-	३ वर्षे	३६३१०/-

निविदेचे वेळापत्रक

१.	ई निविदा उपलब्ध कालावधी	दि. ०९/०६/२०२५ ते दि. १६/०६/२०२५
२.	निविदा स्विकृती अंतिम दिनांक व वेळ	दि. १६/०६/२०२५ दुपारी ३.०० पर्यंत
३.	निविदा पूर्व बैठक दिनांक व वेळ	दि. ११/०६/२०२५ दुपारी ३.०० वाजता
४.	निविदा उघडणेचा दिनांक	दि. १९/०६/२०२५

कोणतेही कारण न देता निविदा पुर्णत: किंवा अंशत: मंजूर अथवा नामंजूर करणेचा अधिकार मा. आयुक्त यांनी स्वत:कडे राखून ठेवला आहे. निविदा संचाची विक्री http://mahatenders.gov.in संकेत स्थळावर ई- निविदा सुचनेत नमुद केलेल्या तारखेनुसार सुरू राहील. सविस्तर निविदा व निविदेबाबतची इतर माहिती http://mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे. निविदा पूर्व बैठक ही नियोजित वेळेत मा. सह शहर अभियंता (वि/यां), पिं.चिं. म.न.पा. मुख्य प्रशासकीय इमारत, पहिला मजला, विद्युत विभाग यांचे दालनात आयोजित करण्यात आली आहे. सदरची ई – निविदा प्रणाली वापराबाबत काही अडचण निर्माण झाल्यास NIC यांचेकडील ई-मेल support.eproc@nic.in अथवा help Desk Number -0120-4200462, 0120-4001005, 0120-6277787 या दुरध्वनीवरती संपर्क साधावा.

सही/-
सह शहर अभियंता (वि)१
पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका
पिंपरी-१८

जाहीरात क्रंमाक-२०२५-२६/६९

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY. THIS IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE FOR UNITS OR SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

JAINIK POWER CABLES LIMITED
(Formerly known as Jainik Power and Cables Limited)

Our Company was originally incorporated as a Private Limited Company with the name "Jainik Enterprises Private Limited" pursuant to a certificate of incorporation dated May 02, 2011 issued by the RoC in accordance with provisions of the Companies Act, 1956. The name of our Company was subsequently changed to 'Jainik Power and Cables Private Limited" and fresh certificate of incorporation was issued by the RoC dated February 09, 2024, thereafter upon conversion into a public company, pursuant to a shareholders' resolution dated February 15, 2024, the name of the company finally changed to 'Jainik Power and Cables Limited' and fresh Certificate of Incorporation was issued by the RoC dated May 08, 2024. The name of our company was subsequently changed to 'Jainik Power Cables Limited' and fresh certificate of incorporation was issued by the ROC dated April 08, 2025. As on date of this Red Herring Prospectus, the Corporate Identification Number of our Company is U27205DL2011PLC218425. For further details of incorporation please refer to section titled "Our History and Certain Other Corporate Matters" beginning on page no. 150 of this Red Herring Prospectus.

Registered Office: 39/101A, 1st Floor, Community Centre, Wazirpur Industrial Area, Wazir Pur III, North West Delhi, Delhi, India, 110052
Telephone No.: +91-9999268508; **Website:** www.jainikpower.com; **E-Mail:** info@jainikpower.com
Company Secretary and Compliance Officer: Ms. Kumari Sonal;

PROMOTERS: MR. SHASHANK JAIN, MR. PRATEEK JAIN, MRS. ANJU JAIN AND MR. SUBHASH CHAND JAIN

NOTICE TO THE INVESTORS: CORRIGENDUM TO RED HERRING PROSPECTUS DATED JUNE 03, 2025 AND PRE ISSUE ADVERTISEMENT

PUBLIC ISSUE OF 46,63,200 EQUITY SHARES OF FACE VALUE RS. 10/- EACH OF JAINIK POWER CABLES LIMITED. ("JAINIK" OR THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF Rs. [●]/-PER EQUITY SHARE ("ISSUE PRICE") INCLUDING A SHARE PREMIUM OF [●]/- PER EQUITY SHARE), AGGREGATING TO RS. [●] LAHKS ("THE ISSUE"). OUT OF WHICH, 2,34,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF 44,29,200 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RS. 10/- EACH AT AN ISSUE PRICE OF RS. [●]/- PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO RS. [●] LAKHS IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE 32.50% AND 30.87%, RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY. FOR FURTHER DETAILS, KINDLY REFER TO CHAPTER TITILED "TERMS OF THE ISSUE" BEGINNING ON PAGE NO. 258 OF THIS RED HERRING PROSPECTUS.

Price Band: Rs. 100.00 to Rs. 110.00 Per Equity Shares of Face Value of Rs. 10 each

The Corrigendum is with reference to the Red Herring Prospectus Dated June 03, 2025 filed with Registrar of Companies, Delhi and Pre Issue and Price Band Advertisement each, published on June 04, 2025 ("Pre Issue Advertisement") in all edition of Business Standard in Hindi and English in all edition.

Potential Bidders may note the following

1. The Chapter titled "Definition and Abbreviation" beginning on page 01 of the Red Herring Prospectus has been updated.
2. The Chapter titled "The Issue" beginning on page 54 of the Red Herring Prospectus has been updated.
3. The Chapter titled "Issue Structure" beginning on page 296 of the Red Herring Prospectus has been updated.

SECTION I – GENERAL
DEFINITIONS AND ABBREVIATIONS

QIB Category/ QIB Portion	The portion of the Net Issue (including the Anchor Investor Portion) being not more than 50% of the Net Issue, consisting of 4,45,200 Equity Shares aggregating to ₹[●] lakhs which shall be Allotted to QIBs (including Anchor Investors) on a proportionate basis, including the Anchor Investor Portion (in which allocation shall be on a discretionary basis, as determined by our Company in consultation with the BRLMs), subject to valid Bids being received at or above the Issue Price or Anchor Investor Offer Price (for Anchor Investors).
Non-Institutional Portion	The portion of the Issue being not less than 15% of the Net Issue, consisting of 19,92,000 Equity Shares, which shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price
Retail Portion	The portion of the Issue being not less than 35% of the Net Issue, consisting of 19,92,000, Equity Shares, available for allocation to Retail Individual Bidders.

SECTION IV - INTRODUCTION

THE ISSUE

A. Qualified Institutional Buyer Portion	Not more than 4,45,200 Equity Shares of face value Rs.10/- each fully paid-up for cash at price of Rs. [●]/- per Equity Share aggregating to Rs. [●] Lakh shall be available for allocation for Qualified Institutional Buyer.
B. Retail Investors Portion	Not less than 19,92,000 Equity Shares of face value Rs.10/- each fully paid-up for cash at price of Rs. [●]/- per Equity Share aggregating to Rs. [●] Lakh, shall be available for allocation for Retail Individual Investors.
C. Non-Retail Investors Portion	Not less than 19,92,000 Equity Shares of face value of Rs.10/- each fully paid-up for cash at price of Rs. [●]/- per Equity Share aggregating to Rs. [●] Lakh, shall be available for allocation for Investors other than Retail Individual Investors

SECTION VIII-ISSUE INFORMATION

ISSUE STRUCTURE

Particulars of the Issue	Market Maker Reservation Portion	QIBs	Non-Institutional Investors	Retail Individual Investors
Percentage of Issue Size available for allocation	5.02%	Not more than 50% of the Net Issue being available for allocation to QIB Bidders. However, up to 5.37% of the Net QIB Portion will be available for allocation proportionately to Mutual Funds only. Mutual Fund participating in the Mutual Fund Portion will also be eligible for allocation in the remaining QIB Portion. The unsubscribed portion in the Mutual Fund Portion will be added to the Net QIB Portion.	Not less than 15% of the Net Issue	Not less than 35% of the Net Issue

Pre issue advertisement published on June 04, 2025
The attention of the investors is drawn to the heading mentioned under the 'Allocation of the Issue' section in the pre-issue advertisement published on June 04, 2025 Shall be read as follow

ALLOCATION OF THE ISSUE

- **QIB Category:** Not more than 50% of the Net Issue
- **Retail Category:** Not less than 35% of the Net Issue
- **Non-institutional investor category:** Not less than 15% of the Net Issue
- **Market Maker:** 5.02% of the Total Issue

LEAD MANAGER

Fasttrack Finsec
Category-I Merchant Banker

FAST TRACK FINSEC PRIVATE LIMITED
SEBI Registration No. INM000012500
Office No. V-116,1st Floor, New Delhi House, 27, Barakhamba Road, New Delhi - 110001 IN
Tel No.: +91-11-43029809
Contact Person: Ms. Sakshi
Email: mb@ftfinsec.com; investor@ftfinsec.com
Website: www.ftfinsec.com

REGISTRAR TO THE ISSUE

Skyline Financial Services Pvt. Ltd.

SKYLINE FINANCIAL SERVICES PRIVATE LIMITED
SEBI Registration No.: INR000003241
D-153 A, 1st Floor, Okhla Industrial Area, Phase - I, New Delhi-110020
Tel No: +91-11-40450193-97; **Fax No:** +91-11-26812683
Contact Person: Mr. Anuj Rana
Email: ipo@skylinerta.com
Website: www.skylinerta.com

OFFER PROGRAMME
BID/ISSUE FOR ANCHOR INVESTORS: JUNE 09, 2025
BID/ISSUE OPENS ON: JUNE 10, 2025 | BID/ISSUE CLOSES ON: JUNE 12, 2025

Our Company in consultation with the Book Running Lead Manager consider participation by Anchor Investors, in accordance with the SEBI ICDR Regulations. The Anchor Investor Bidding Date shall be one Working Day prior to the Bid/Issue Opening Date. Our Company in consultation with the BRLM, consider closing the Bid/Issue Period for QIBs one Working Day prior to the Bid/Issue Closing Date, in accordance with the SEBI ICDR Regulations.

For Jainik Power Cables Limited
(Formerly known as Jainik Power and Cables Limited)
Sd/-
Prateek Jain
Director
DIN: - 05206153

Date: - June 05, 2025
Place:- Delhi